महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर

[स्रोत: पी.आई.बी]

हाल ही में **प्रधानमंत्री** ने महान **महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- प्रधानमंत्री ने **त्रिपुरा के विकास** में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान तथा निर्धन और जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर:

- उनका जन्म **19 अगस्त 1908 को त्रिपुरा में हुआ** था और उन्हें **"त्रिपुरा के आधुनिक वास्तुकार"** के रूप में भी जाना जाता है।
- उन्होंने **पहला उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित किया, भूमि सुधारों** का समर्थन किया और **स्वदेशी लोगों के लिये भूमि आरक्षित की,** जिसके परिणामस्वरूप [त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त ज़िला परिषद (TTAADC)] का गठन हुआ।
- वे **यूरोप और अमेरिका (1931-1939) की यात्रा करने वाले त्रिपुरा के पहले शासक** थे।
- वर्ष 1947 में 39 वर्ष की अल्पायु में उनका निधन हो गया। उनकी असामयिक मृत्यु ने त्रिपुरा के विकास को प्रभावित किया।
- **अगरतला हवाई अड्डे** को पहले **सिंगरभील हवाई अड्डे** के रूप में जाना जाता था, जिसका नाम जुलाई 2018 में **महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर** के नाम पर रखा गया।
  - इसके लिये भूमि उनके द्वारा दान की गई थी और इसका उपयोग [द्वितीय विश्व युद्ध] के दौरान रॉयल एयर फोर्स के लिये तकनीकी बेस के रूप में किया गया था।

त्रिपुरा:

- **त्रिपुरा पूर्वोत्तर क्षेत्र (असम के बाद) में दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जो बांग्लादेश, मिज़ोरम और असम के साथ सीमा साझा करता है।**
- **वन्यजीव अभयारण्य:** गुमटी वन्यजीव अभयारण्य, रोवा वन्यजीव अभयारण्य, सिपाहीजाला वन्यजीव अभयारण्य और तृष्णा वन्यजीव अभयारण्य
- **राष्ट्रीय उद्यान:** बाइसन (राजबारी) NP और क्लाउडेड लेपर्ड NP

//

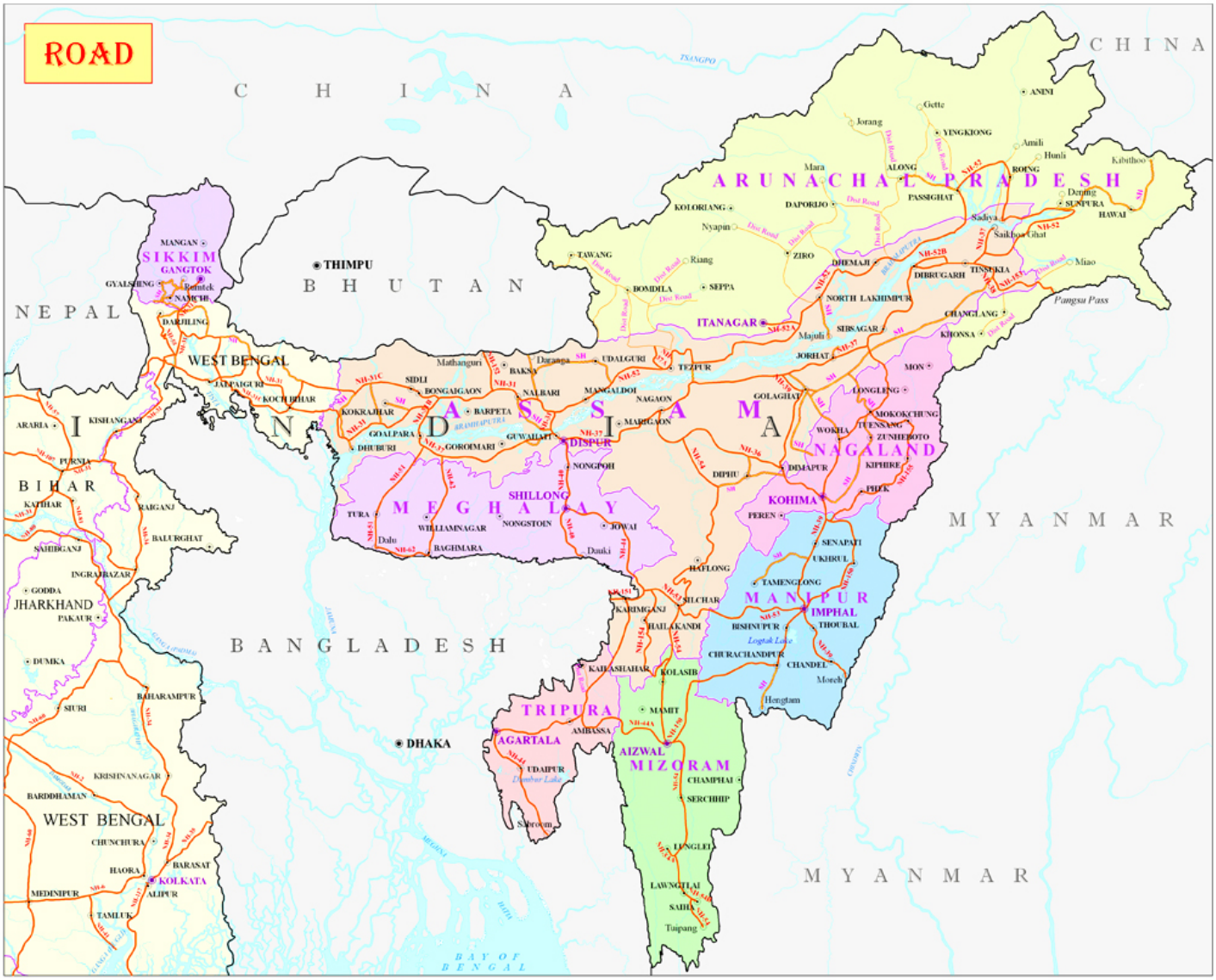

और पढ़ें: महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डा: त्रिपुरा, ग्रेटर टिपरालैंड, त्रिपुरा की मांग।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maharaja-bir-bikram-kishore-manikya-bahadur